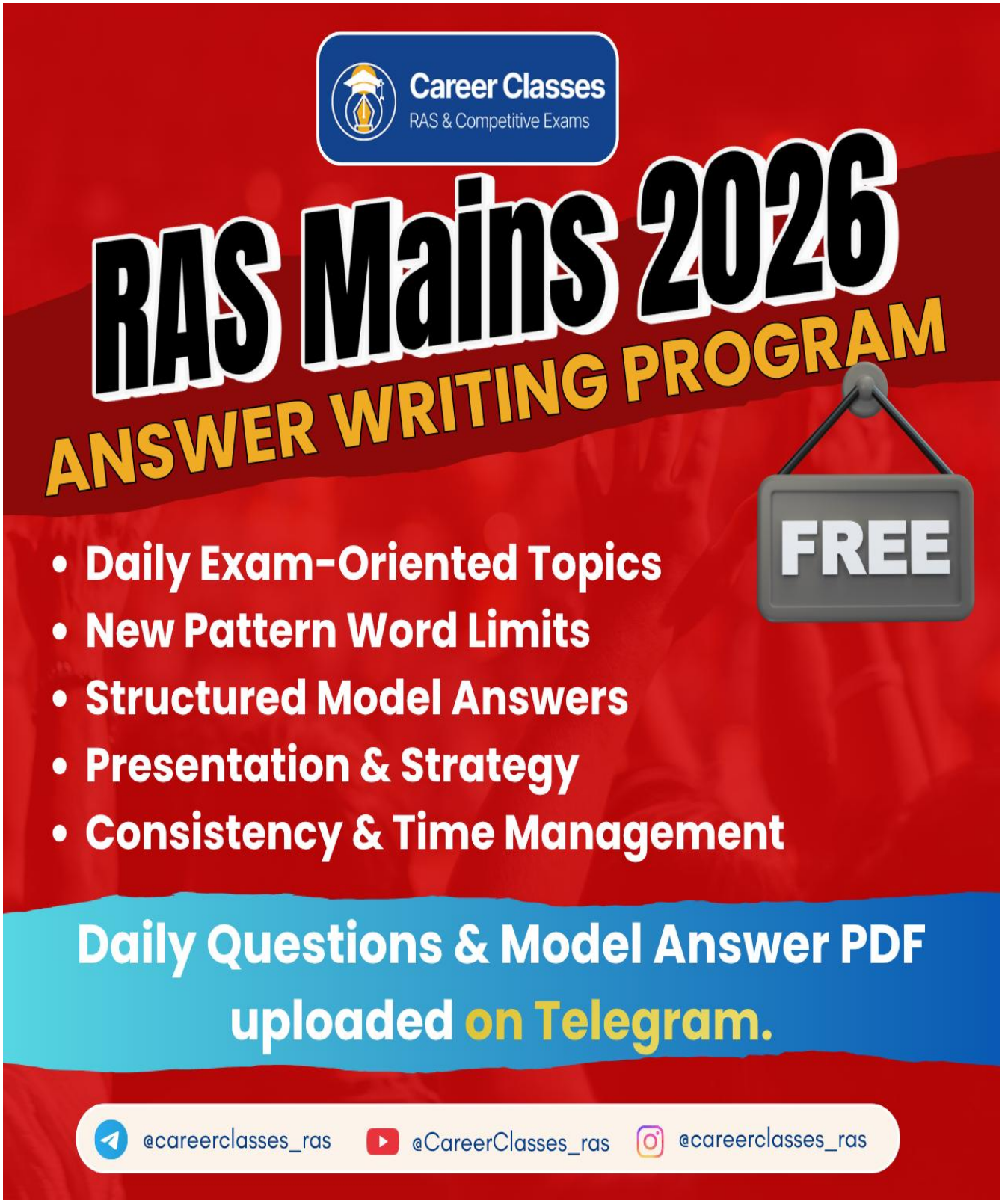
Career Classes
RAS & Competitive Exams
RAS Mains 2026
ANSWER WRITING PROGRAM
FREE
• Daily Exam-Oriented Topics
• New Pattern Word Limits
• Structured Model Answers
• Presentation & Strategy
• Consistency & Time Management
Daily Questions & Model Answer PDF
uploaded on Telegram.
@careerclasses_ras
@CareerClasses_ras
@careerclasses_ras

CCR RAS Mains 2026 - AWP

★ विषय: समसामयिकी (Gs Paper-3)
★ Topic : ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट

Join Telegram - @careerclasses_ras

प्रश्न: 'ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना' के प्रमुख घटकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।(5 अंक / 50 शब्द)

- परिचय: नीति आयोग द्वारा प्रस्तावित ₹72,000 करोड़ की यह एक 'मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर' परियोजना है।
- मुख्य घटक: इसमें एक अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (ICTT), एक ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक गैस एवं सौर आधारित पावर प्लांट और एक 'ग्रीन सिटी' का निर्माण शामिल है।
- महत्व: यह भारत को मलक्का जलडमरूमध्य (Strait of Malacca) के निकट एक प्रमुख व्यापारिक और सामरिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

प्रश्न: "ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के लिए सामरिक वरदान है या पर्यावरणीय आपदा?" इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।(10 अंक / 150 शब्द)

भूमिका:

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दक्षिणतम बिंदु पर प्रस्तावित 'ग्रेट निकोबार परियोजना' भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह परियोजना आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के दोहरे लक्ष्यों पर आधारित है।

सामरिक एवं आर्थिक वरदान:

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रभुत्व: यह स्थान मलक्का जलडमरूमध्य के अत्यंत निकट है, जहाँ से वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। यहाँ ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल बनने से भारत वैश्विक लॉजिस्टिक्स मानचित्र पर प्रमुखता से उभरेगा।

- सैन्य महत्व: चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' नीति का मुकाबला करने के लिए यहाँ एक मजबूत नौसैनिक और हवाई उपस्थिति अनिवार्य है।
- ब्लू इकोनॉमी: यह परियोजना समुद्री संसाधनों के दोहन और पर्यटन के माध्यम से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को गति देगी।

पर्यावरणीय एवं सामाजिक चिंताएँ:

- जैव-विविधता का ह्रास: इस परियोजना के लिए लगभग 130 वर्ग किमी वर्षावन का उपयोग होगा, जिससे महान निकोबार मेगापोड और लेदरबैक कछुओं जैसे दुर्लभ जीवों के आवास नष्ट होने का खतरा है।
- जनजातीय अधिकार: यह क्षेत्र 'शोम्पेन' और 'निकोबारी' जैसी विशेष रूप से कमजोर जनजातियों (PVTGs) का घर है। निर्माण गतिविधियों से उनकी जीवनशैली और अस्तित्व पर संकट आ सकता है।
- पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता: यह द्वीप भूकंपीय रूप से सक्रिय 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में स्थित है, जिससे बुनियादी ढांचे को प्राकृतिक आपदाओं का निरंतर खतरा रहेगा।

निष्कर्ष:

परियोजना के लाभ और हानियों को देखते हुए, किहोतो होलोहन वाद जैसी न्यायिक पारदर्शिता और 'सतत विकास' (Sustainable Development) के सिद्धांतों का पालन अनिवार्य है। पर्यावरणीय क्षति को न्यूनतम करने के लिए वनीकरण और जनजातीय अधिकारों के संरक्षण हेतु सख्त निगरानी तंत्र की आवश्यकता है, ताकि भारत की सुरक्षा और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे।।

CAREER
CLASSES

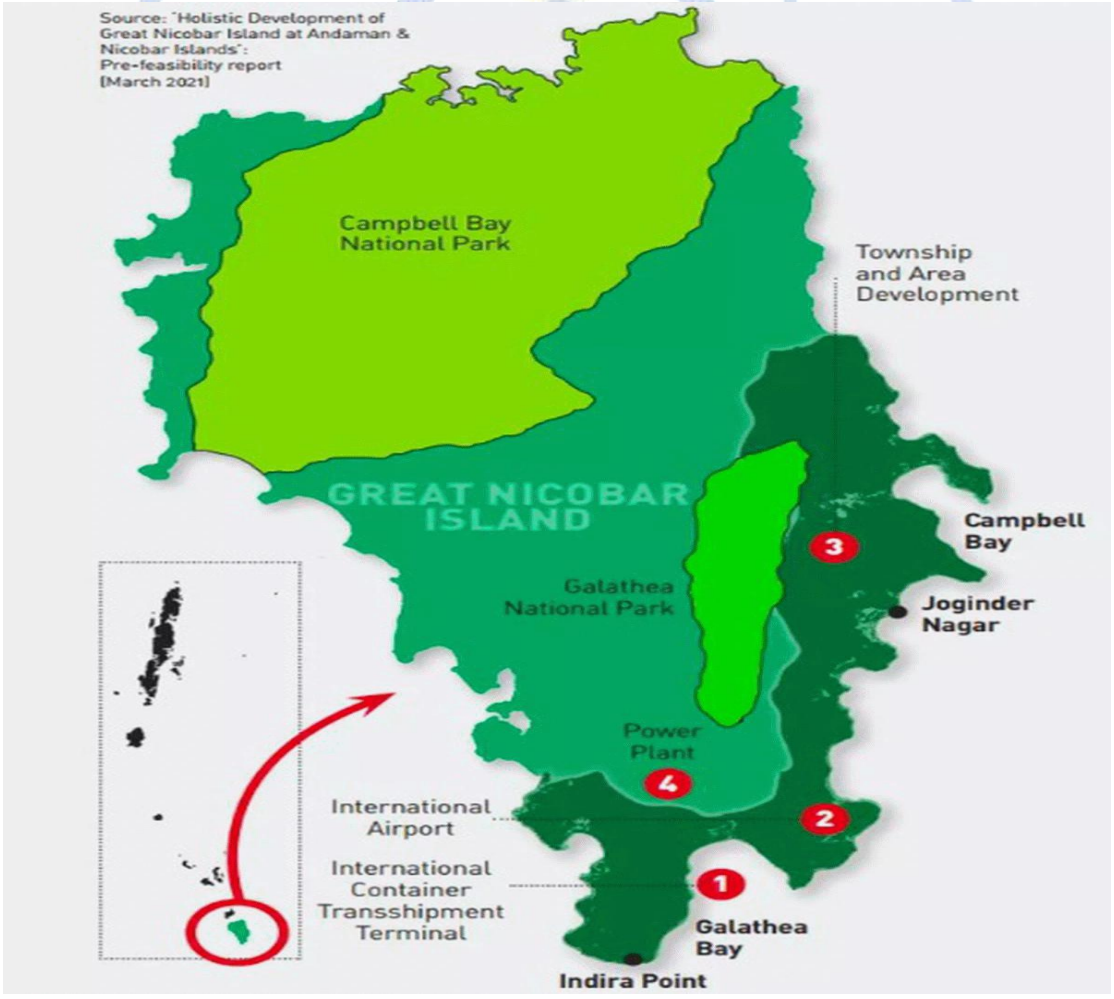
Source: 'Holistic Development of Great Nicobar Island at Andaman & Nicobar Islands': Pre-feasibility report (March 2021)
Campbell Bay National Park
Township and Area Development
GREAT NICOBAR ISLAND
Campbell Bay
3
Galathea National Park
Joginder Nagar
Power Plant
4
International Airport
2
International Container Transshipment Terminal
1
Galathea Bay
Indira Point

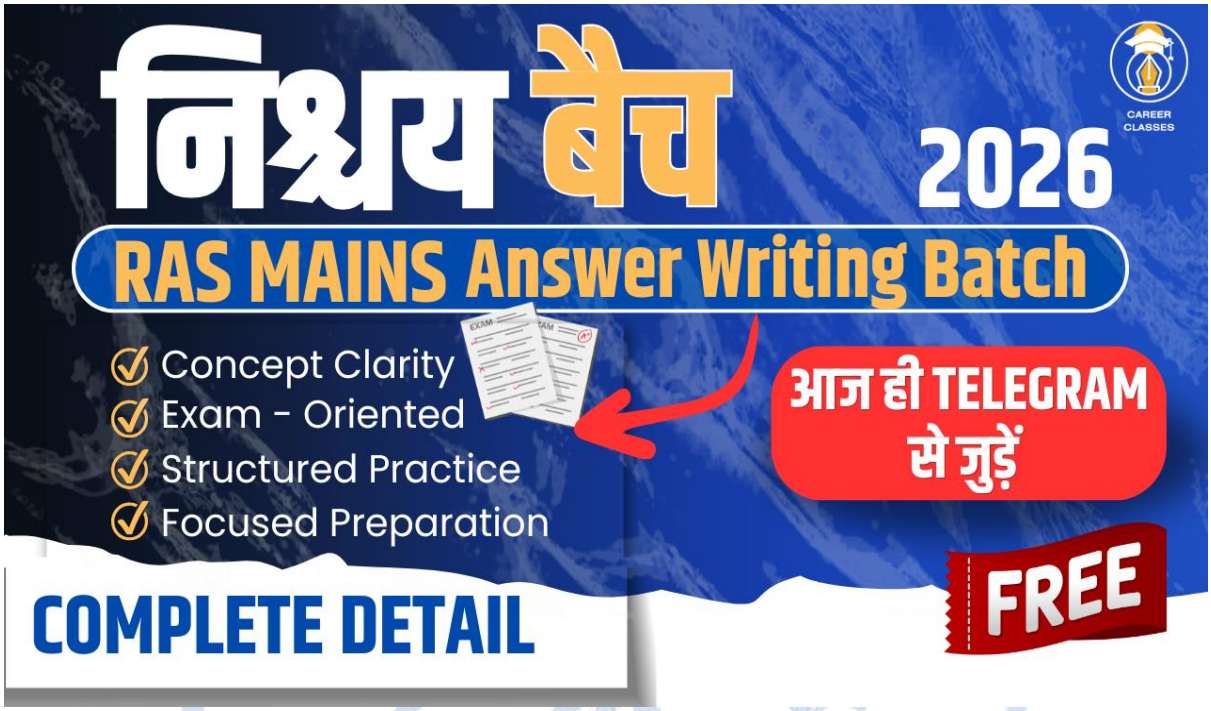

Join Telegram - @careerclasses_ras

CAREER
CLASSES